बृहस्पतिवार
34 साल से देहरादून का विश्वास
16 अप्रैल 2026
● देहरादून
● वर्ष 34
● अंक 82
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

दून वैली मेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

पहाड़ी वास्तुकला के अनुरूप बनेंगे लोक भवन के नए भवन

●राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने किया बहुउद्देशीय भवनों का शिलान्यास

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) एवं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को लोक भवन परिसर में बहुउद्देशीय भवनों का शिलान्यास किया। लोक भवन परिसर में निर्मित किए जाने वाले इन भवनों में विभिन्न आवश्यक सुविधाओं का समावेश किया जाएगा। प्रथम भवन में एक समेकित डिस्पेंसरी का निर्माण किया जाएगा, जिसमें आयुर्वेदिक, होम्योपैथिक एवं एलोपैथिक चिकित्सा कक्ष शामिल होंगे। वहीं दूसरे भवन में सूचना परिसर एवं कैफेटेरिया, तृतीय भवन में लोक निर्माण विभाग कार्यालय एवं चतुर्थ भवन में उद्यान विभाग कार्यालय का निर्माण किया जाना है। इन भवनों का निर्माण पारंपरिक पहाड़ी वास्तुकला के अनुरूप किया जाएगा, जिससे स्थानीय सांस्कृतिक पहचान को भी सुदृढ़ किया जा सके।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि इन नवीन भवनों के निर्माण से लोक भवन परिसर में विभिन्न सेवाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध हो सकेंगी, जिससे कार्यप्रणाली अधिक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी बनेगी। उन्होंने कहा कि इससे न केवल कर्मचारियों को सुविधा मिलेगी, बल्कि आमजन को भी बेहतर एवं त्वरित सेवाएं प्राप्त होंगी। समेकित सुविधाओं के माध्यम से समय एवं संसाधनों की बचत होगी तथा कार्यों में दक्षता आएगी।

राज्यपाल ने कहा कि इस परियोजना में आधुनिक तकनीक के साथ-साथ प्रदेश की सांस्कृतिक एवं पारंपरिक विरासत का समन्वय किया गया है, जो इसे विशिष्ट बनाता है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि यह बहुउद्देशीय भवन लोक सेवा की भावना को और अधिक सशक्त करेगा तथा प्रशासनिक कार्यों के कुशल एवं प्रभावी निष्पादन में सहायक सिद्ध होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोक भवन परिसर में विकसित की जा रही यह बहुउद्देशीय अवसंरचना सुशासन एवं सेवा प्रदान करने की व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि एक ही परिसर में विभिन्न विभागों एवं सुविधाओं के उपलब्ध होने से प्रशासनिक समन्वय बेहतर होगा तथा नागरिकों को त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्राप्त होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन भवनों का निर्माण पारंपरिक पहाड़ी वास्तुकला के अनुरूप किए जाने से न केवल प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि यह स्थानीय संसाधनों एवं कारीगरों को भी प्रोत्साहन देगा। इस अवसर पर सचिव राज्यपाल रविनाथ रामन, विधि परामर्शी कौशल किशोर शुक्ल, उप सचिव लक्ष्मण राम आर्य, संयुक्त निदेशक सूचना डॉ. नितिन उपाध्याय, अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग नीरज त्रिपाठी, सहायक अभियंता दिवाकर ध स्माना, अपर सहायक अभियंता अमित सेमवाल सहित लोक भवन के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे में डॉक्टर की मौत, महिला डॉक्टर सदमे में

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। बहादराबाद-दिल्ली राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवा डॉक्टर की मौत हो गई, जबकि साथ मौजूद महिला डॉक्टर सदमे में हैं। घटना से स्वास्थ्य विभाग में शोक की लहर दौड़ गई है।

जानकारी के अनुसार बिहार निवासी डॉ. ऋतुराज (25) बहादराबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) में इंटर्नशिप कर रहे थे। बताया जा रहा है कि आज सुबह वह स्कूटी से सीएचसी जा रहे थे, उनके साथ महिला डॉक्टर डॉ. दिव्या भी मौजूद थीं। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे दिल्ली नंबर के एक वाहन ने उनकी स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में डॉ. ऋतुराज की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि डॉ. दिव्या घटना के बाद गहरे सदमे में हैं। सीएचसी बहादराबाद की प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने बताया कि डॉ. ऋतुराज मदरहुड यूनिवर्सिटी, रुड़की से बीएमएएस की पढ़ाई कर रहे थे और छह माह की ट्रेनिंग के तहत उनकी तैनाती बहादराबाद सीएचसी में हुई थी। वहीं, थाना बहादराबाद प्रभारी अमरजीत सिंह ने बताया कि हादसे के बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। मृतक के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है। घटना के बाद अस्पताल स्टाफ और स्थानीय लोगों में गहरा दुख और आक्रोश देखने को मिल रहा है।

दून वैली मेल

संपादकीय

पीएम हो तो बालेन जैसा

इन दिनों भारत का एक पड़ोसी देश नेपाल चर्चाओं के केंद्र में है। क्षेत्रफल और आबादी के लिहाज से अत्यंत छोटे से इस देश में यूं तो अभी भी लोकतंत्र है लेकिन जिस युवा नेता के नेतृत्व में नई निर्वाचित सरकार बनाई गई है उसने सत्ता संभालते ही मात्र 48 घंटे में जो परिवर्तनकारी फैसले लिए हैं उन्होंने पूरी दुनिया का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है नेपाल के नव निर्वाचित सबसे कम उम्र के प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह जिन्हें लोग प्यार से बालेन शाह कहते हैं उनके ही नेतृत्व में जेन-जे ने पूर्व पीएम केपी कोली की सरकार को न सिर्फ उखाड़ कर फेंक दिया अपितु नेपाल के युवाओं ने नेपाल के भविष्य की बागडोर उन्हे सौंप कर यह मौका दिया है कि वह कुछ अलग करके दिखाएं। नेपाल के आंदोलन का मुख्य कारण रहे भ्रष्टाचार और दलितों के पिछड़ेपन पर बालेन्द्र सरकार ने दलितों से राष्ट्रीय माफी मांगी है तथा उसे पूरी तरह बदलने तथा भ्रष्टाचार के खात्मे के लिए 100 सूत्रीय एजेंडे पर अपनी मोहर लगाई है। बालेन्द्र सरकार ने फैसला किया है कि किसी भी वीआईपी के लिए सड़क पर ट्रैफिक को नहीं रोका जाएगा। सभी मंत्री संत्री और अधिकारी सामान्य लोगों की तरह ही चलेंगे बिना हूटर- शूटर के। बालेन्द्र शाह की सरकार ने सभी नेताओं और अधिकारियों तथा सरकारी कर्मचारियों के अपने बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ना अनिवार्य कर दिया है साफ है कि सरकारी नौकरी करनी है या नेतागिरी करनी है तो बच्चों को सरकारी स्कूलों में पढ़ाओ वरना नौकरी छोड़ो व राजनीति छोड़ो। उनका यह फैसला शिक्षा के लिए युगांतरकारी माना जा रहा है। सरकार ने कॉलेज की राजनीति पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है किसी भी राजनीतिक पार्टी का समर्थन किसी भी छात्र यूनियन को नहीं होगा ठीक वैसे ही कोई सरकारी नौकर किसी भी यूनियन का हिस्सा नहीं बनेगा। नेपाल की नई सरकार द्वारा सभी कोचिंग सेंटरों को बंद करने के आदेश जारी कर दिए गए हैं भ्रष्टाचार पर बड़ा प्रहार करते हुए 1990 से सभी संदिग्ध खातों की जांच एक माह में करने और विदेश में जमा काले धन को वापस लाने का फैसला लिया गया है। नेपाल के विदेश मंत्री ने राजदूतों को एक-एक कर मिलने की प्रथा को समाप्त करते हुए 17 देश के राजदूतों के साथ एक साथ मुलाकात की जो इस बात का संकेत है कि नेपाल की नई सरकार एक बड़े बदलाव की ओर बढ़ चुकी है। पूर्व पीएम केपीएस कोली और गृहमंत्री के भ्रष्टाचार का पूरा हिसाब किताब करने की दृढ़ इच्छा शक्ति के साथ नई सरकार ने काम शुरू कर दिया है। निजी स्कूलों को बंद करने और छात्र राजनीति पर बैन तथा नौकरशाही को राजनीति मुक्त बनाने के फैसले बड़े फैसले हैं पांचवी तक छात्रों की कोई परीक्षा न करने का फैसला व सरकारी स्कूलों की दिशा व दशा सुधारने का फैसला नेपाल की तस्वीर बदल सकता है। सामाजिक न्याय भी बालेन्द्र सरकार की प्राथमिकता है नेपाल की कुल आबादी के 13 फीसदी दलित व पिछड़े हैं जिसमें 48 फीसदी अत्यंत की गरीब है नई सरकार का मानना है कि समाज में उन्हें बराबरी की हिस्सेदारी मिलनी चाहिए। भले ही अभी नेपाल की नई सरकार के बड़े फैसले को लेकर आम तौर पर लोग यही कह रहे हैं कि नया मुल्ला अल्लाह ही अल्लाह आने वाले समय में बालेन्द्र और उनकी सरकार भी इसी व्यवस्था में घुल मिल जाएगी लेकिन अगर वह कुछ बड़ा कर पाए जैसा कि उनके फैसले में दिख रहा है तो इसका असर अन्य तमाम देशों में देखा जाना तय है। क्योंकि सत्ता की क्रूरता से तमाम देश परेशान है जिन्हें बालेन्द्र जैसे प्रधानमंत्री की जरूरत है।

विधानसभा चुनाव का अनौपचारिक 'शंखनाद'

●2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए दल तैयारियों में जुटे
●भाजपा ने अपने बड़े नेताओं की तीन जनसभाएं कर दिखाई ताकत
●कांग्रेस सहित अन्य दल जनसभाओं में जनसैलाब से दिख रहे परेशान

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। चुनावी साल में चुनाव से पूर्व बड़ी जनसभाओं का सफल आयोजन किसी भी दल के लिए संजीवनी का काम करता है। पीएम मोदी के दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेस वे के उद्घाटन पर उमड़ी भीड़ से भाजपाई गदगद हैं और इसे आगामी विधानसभा चुनाव से पहले अपनी जीत का मंत्र मान रहे हैं। यह कहा जाए कि भाजपा ने विधानसभा चुनाव 2027 का अनौपचारिक 'शंखनाद' कर दिया है तो कोई अतिशयोक्ति नहीं होगी।

बता दें कि उत्तराखंड सहित अन्य राज्यों में 2027 में विधानसभा के चुनाव होने है और इसके लिए सभी दल अभी से अपनी तैयारियों में जुट गए है। अकेले उत्तराखंड की बात करें तो यहां सत्ता में भाजपा है और भाजपा किसी भी सूरत में सत्ता पर काबिज रहना चाहती है। इसके लिए पार्टी रणनीति के साथ कार्य कर रही है। भाजपा ने चुनाव की घोषणा से पहले तीन बड़ी जनसभाओं का आयोजन कर कांग्रेस को सकते में डाल दिया है।

भाजपा के तीन बडेे नेताओं की जनसभाओं में जिस तरह से जनसैलाब उमड़ा उससे जहां भाजपा गदगद है। वही दूसरी ओर कांग्रेस सहित अन्य दलों के लिए यह किसी खतरे की घंटी से कम नहीं है। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो पीएम मोदी की जनसभा में उमड़ा जनसैलाब भाजपा के लिए अच्छे संकेत है। वहीं दूसरी ओर पीएम मोदी भी भीड़ को देखकर प्रदेश में मतदाताओं के मूड़ को समझ चुके है। यही कारण है कि उन्होंने प्रदेश के भाजपा नेताओं की जहां तारीफ की वही सभी से बडेे प्यार से मिले। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो यह भाजपा के लिए शुभ संकेत है।

राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो 2027 के विधानसभा चुनावों के लिए भाजपा ने अपने चुनाव अभियान की शुरुआत कर दी है। राज्य में तीन जनसभाएं कर भाजपा अब गांव-गांव दस्तक देने की तैयारी में है। सूत्र बताते हैं कि भाजपा ने अपने नेताओं को जिम्मेदारियां भी दे दी है और सभी वोटरों को लुभाने के लिए लावा-लस्कर के साथ दस्तक दे रहे हैं। वैसे भी सरकार ने चुनावी साल में जहां कैबिनेट का कोरम पूरा किया वही कई नेताओं को पदभार देकर अपनी पकड़ को मजबूत करने का काम किया है। चुनावी साल में यह सब करना भी चुनावी रणनीति का ही एक हिस्सा है।

दूसरी ओर भाजपा की जनसभाओं में उमडेे जनसैलाब के बाद कांग्रेस सहित अन्य दल भी सकते में है। खासकर पीएम मोदी की रैली में जिस प्रकार से आमजन उमड़े थे उससे कांग्रेस को मिर्च लगी ही अन्य दल भी अपनी रणनीति बदलने के लिए मजबूर हुए है। कांग्रेस की बात करें तो पहले ही कांग्रेस अंतरकलह से जूझ रही है और इसके साथ ही लंबे समय से सत्ता से दूरी के कारण नेताओं में एकजुटता नहीं दिख रही है। आगामी विधानसभा चुनाव भी कांग्रेस के लिए किसी महाभारत से कम नहीं होगा।

विधानसभा चुनाव की अभी औपचारिक घोषणा होना बाकी है, लेकिन भाजपा ने तो चुनाव की अनौपचारिक घोषणा कर दी है। कांग्रेस सहित अन्य दल अभी तक अपनी रणनीति बनाने में लगे हैं, जबकि राज्य में चुनाव के लिए एक साल से भी कम का समय है। राज्य में भाजपा सत्ता में है तो उसके पास संसाधन सभी हैं, लेकिन अन्य दलों के पास संसाधनों को जुटाने में समय लगेगा। इसके बाद भी कांग्रेस सहित अन्य दलों में आपसी खींचतान जारी है जो आने वाले विधानसभा चुनाव में भारी पड़ सकता है।

स्कूटी चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने खुले स्थान से स्कूटी चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार इन्द्रानगर निवासी संजय प्रसाद ने बसंत विहार थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह किसी काम से सीजे प्लाजा गया था। उसने पार्किंग में अपनी स्कूटी खड़ी की थी। लेकिन जब वह थोड़ी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

दुकान का ताला तोड लाखों रूपये की कॉपर की तार चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने दुकान का ताला तोड वहां से लाखों रूपये की कॉपर की तार चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार आढत बाजार निवासी अंजुम कोहली ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनकी आढत बाजार में दुकान है। आज जब वह अपनी दुकान पर पहुंची तो उसने देखा कि उसकी दुकान के शटर का ताला टूटा हुआ था तथा अन्दर से कॉपर की तार के बंडल गायब थे। जिनकी कीमत लगभग आठ लाख रूपये है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

परिसीमन विधेयक के खिलाफ स्टालिन ने काले कपड़े पहनकर बिल की कॉपी में लगाई आग

हमारे प्रतिनिधि

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने बृहस्पतिवार को परिसीमन विधेयक की एक प्रति जलाकर उसे श्काला कानूनश करार दिया और आरोप लगाया कि यह विधेयक तमिल लोगों को उनकी अपनी ही भूमि में श्शरणार्थीश बनाने का प्रयास है। महिला आरक्षण संशोधन अधिनियम पर संसद के बजट सत्र की विशेष बैठक से कुछ घंटे पहले स्टालिन ने काला झंडा दिखाया, केंद्र सरकार द्वारा उपलब्ध कराई गई परिसीमन विधेयक की एक प्रति जलाई और नारे लगाए।

मुख्यमंत्री चुनाव प्रचार के सिलसिले में पश्चिमी तमिलनाडु के नामक्कल में हैं और वहां उन्होंने विधेयक की प्रति जलाई। स्टालिन और काले वस्त्र पहने अन्य लोगों ने इस बीच नारे लगाए। उन्होंने पोराडावोम, वेलवोम ओन्ड्रगा (आइए हम मिलकर संघर्ष करें, साथ मिलकर जीतें) का नारा भी लगाया। एक बयान में स्टालिन ने कहा, विरोध की ज्वाला पूरे तमिलनाडु में फैले। फासीवादी भाजपा का घमंड चकनाचूर हो। तब, तमिलनाडु से उठी हिंदी थोपने के खिलाफ प्रतिरोध की आग ने दिल्ली को झुलसा दिया था। वह तभी शांत हुई जब उसने दिल्ली को झुकने पर मजबूर कर दिया। उनका इशारा स्पष्ट रूप से राज्य में 1960 के दशक में हुए हिंदी विरोधी आंदोलन की ओर था। उन्होंने कहा, आज मैंने इस काले कानून की प्रति जलाकर और काला झंडा दिखाकर उस आग को फिर से प्रज्वलित कर दिया है, जो तमिलों को हमारी ही धरती पर शरणार्थी बनाने का प्रयास करता है।

एसबीएस महाविद्यालय में रक्तदान शिविर में 40 यूनिट रक्त एकत्रित

हमारे प्रतिनिधि

रुद्रपुर। जवाहर लाल नेहरू चिकित्सालय के रक्त केंद्र, रुद्रपुर के सहयोग से आज 16 अप्रैल 2026 को सरदार भगत सिंह राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुद्रपुर में रेड क्रॉस, एन. एस.एस., एन.सी.सी. और रोवर्स रेंजर्स के सहयोग से एक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए मानव सेवा का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया। इस रक्तदान शिविर में कुल 40 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया ।

कार्यक्रम का संचालन रेड क्रॉस के प्रभारी डॉ. राजेश कुमार सिंह एवं एन. एस.एस. के प्रभारी डॉ. चंद्रपाल के नेतृत्व में किया गया। शिविर का शुभारम्भ महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अवधेश नारायण सिंह की उपस्थिति में समाजशास्त्र विभाग प्रभारी प्रो. हेमलता सैनी एवं प्रो. रवीन्द्र कुमार सैनी द्वारा रक्तदान से हुई। इसके पश्चात बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने आगे आकर रक्तदान किया और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाई।

इस अवसर पर क्षेत्र के विधायक शिव अरोरा भी शिविर में पहुंचे और छात्रों के इस सराहनीय कार्य की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि रक्तदान सबसे बड़ा दान है और इससे अनेक जरूरतमंद लोगों का जीवन बचाया जा सकता है।

शिविर को सफल बनाने में महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान के प्रो. विकास दुबे तथा बीबीए के डॉ. निशांत सिंह एवं रेड क्रॉस के स्वयंसेवी नेपोलियन, पूजा रस्तोगी, रश्मि तिवारी, साजिया, सावीन जहां, सालेहा खातून गौरी सिंह एवं प्रीति मेहरा तथा छात्र संघ सचिव जसवंत सिंह एवं अध्यक्ष रजत बिष्ट का विशेष योगदान रहा।

इस रक्तदान शिविर में जिला चिकित्सालय के रक्त केंद्र के प्रभारी जे .एल.चौधरी, डॉ दिव्यता चाण्यल पैथोलॉजिस्ट, जितेंद्र सिंह एवं सतीश यादव लैब तकनीशियन, विवेक चौहान काउंसलर, श्रीमती पिंकी बोरा, नर्सिंग अधिकारी, अनिल कुमार, लैब सहायक की टीम ने रक्तदान कार्यक्रम में अपनी भूमिका निभाई । शिविर के दौरान जिला चिकित्सालय के स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा सभी आवश्यक सावधानियों का पालन किया गया। कार्यक्रम का समापन सफलतापूर्वक हुआ और आयोजकों ने सभी रक्तदाताओं का आभार व्यक्त किया।

पंजीकरण काउंटर से लेकर मंदिर परिसर तक तैनात करें पुलिस बल

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। केदारनाथ धाम यात्रा के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त पुलिस महानिरीक्षक, साइबर व एसटीएफ नीलेश आनंद भरणे ने जवाड़ी बाईपास से लेकर गौरीकुंड तक का निरीक्षण किया। उन्होंने मार्ग, यातायात, पार्किंग व पुलिस की व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने मंदिर परिसर की सुरक्षा व पुलिस चौकी भवन में आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। पंजीकरण काउंटर से लेकर हेलिपैड व मंदिर परिसर तक प्रभावी पुलिस बल नियुक्त करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने केदारनाथ धाम में यात्रा व्यवस्था तथा बर्फ हटाने के कार्य में लगे प्रशासनिक अधिकारियों, मंदिर सुरक्षा में तैनात आईटीबीपी और पुलिस जवानों से संवाद कर वर्तमान में आ रही चुनौतियों की जानकारी ली। उन्होंने गौरीकुंड से आगे पैदल मार्ग, घोड़ा पड़ाव, शटल सर्विस, तप्त कुंड का निरीक्षण कर आवश्यक पुलिस प्रबंधन के निर्देश दिए। उन्होंने सीतापुर व सोनप्रयाग स्थित पार्किंग व्यवस्थाएं भी देखीं। हेलिकॉप्टर टिकटों के नाम पर होने वाली ठगी से बचाव के उपाय सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म की निगरानी रखे जाने के निर्देश दिए।

थत्यूड़-अगलाड़ सड़क का नहीं हो पाया चौड़ीकरण

नई टिहरी(आरएनएस)। थत्यूड़-अगलाड सड़क का चौड़ीकरण न होने से सड़क बेहद संकरी होने के साथ जोखिम भरी है। क्रैश बेरियर न लगे से होने से सड़क पर वाहन दुर्घटना का खतरा भी बना रहता है। लोक निर्माण थत्यूड़ कार्यालय से महज 1०० मीटर की दूरी पर थत्यूड़ अगलाड़ सड़क का दो दशक बाद भी विस्तारीकरण नहीं हो पाया है। स्थानीय लोग लंबे समय से सड़क के किनारे क्रैश बैरियर लगाने के साथ सड़क के चौड़ीकरण की मांग कर रहे हैं। लेकिन न तो सड़क का चौड़ीकरण हो पाया और न ही सुरक्षा की दृष्टि से क्रैश बेरियर लग पाएं। क्रैश बेरियर न लगे होने के कारण वर्ष 2०16 में एक कार के खाई में गिरने कार सवार पांच लोगों की मौत हो गई थी। स्थानीय लोगों का कहना कि सड़क संकरी होने के साथ कई जगहों पर डेंजर जोन भी है। दो बड़े वाहन एक साथ पास नहीं हो सकते हैं। कई बार लोनिवि से सड़क चौड़ीकरण के और क्रैश बैरियर लगाने की गुहार लगाई, लेकिन समस्या का समाधान नहीं हो पा रहा है। उन्होंने सुरक्षा की दृष्टि से शीघ्र सड़क पर क्रेश बैरियर लगाने की मांग की है। इस बाबत लोनिवि थत्यूड़ के अधिशासी अभियंता राजेंद्र टम्टा का कहना कि विभाग की ओर से पूर्व में क्रैश बैरियर लगाने का प्रस्ताव शासन को भेजा जा चुका है। धनराशि मिलने के बाद क्रैश बैरियर लगाने का कार्य किया जाएगा।

गदेरे में मलबा डालने पर कार्यदायी संस्था के खिलाफ वाद दर्ज

चमोली(आरएनएस)। सड़क और पुल निर्माण का मलबा डंपयार्ड में नहीं बल्कि गदेरे में डालने पर संबंधित विभाग के खिलाफ कार्रवाई शुरू हो गई है। वन विभाग के अनुसार मलबा मानकों के विपरीत डंप किया जा रहा है। इसलिए कार्यदायी संस्था के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत वाद दर्ज कर लिया है। पीएमजीएसवाई की ओर से सिमली-डिम्मर-कर्णप्रयाग मोटर मार्ग के टटासू गदेरे में मोटर पुल का निर्माण कार्य किया जा रहा है लेकिन कार्यदायी विभाग पीएमजीएसवाई की ओर से निर्माण कार्य का मलबा गदेरे में डाला जा रहा है। इस पर डिम्मर के ग्रामीणों ने आपत्ति जताई थी। मामले का संज्ञान लेते हुए सोमवार को नंदप्रयाग रेंज के वन क्षेत्राधिकारी ने मौके पर जाकर निरीक्षण भी किया था। वन क्षेत्राधिकारी हेमंत बिष्ट ने बताया कि सिमली-डिम्मर-कर्णप्रयाग मार्ग पर कार्यदायी संस्था पीएमजीएसवाई की ओर से कराए जा रहे पहाड़ी कटान का मलबा मानकों के विपरीत टटासू गदेरे में डाला जा रहा है। मामले की जांच कर कार्यदायी विभाग के विरुद्ध वन अधिनियम के तहत वाद दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

गेंवाली पुल निर्माण में लापरवाही पर ईई का वेतन रोका

नई टिहरी(आरएनएस)। भिलंगना ब्लॉक के सीमांत गांव गेंवाली को जोड़ने के लिए निर्माणाधीन मोटर पुल के कार्यों में लापरवाही बरतने पर डीएम नितिका खंडेलवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। उन्होंने पीएमजीएसवाई के अधिशासी अभियंता अविनाश कुमार सैनी के वेतन भुगतान पर रोक लगा दी है। साथ ही उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई के लिए शासन को पत्र भी भेजा है। बीते नौ अप्रैल को डीएम नितिका ने गेंवाली गांव पहुंचकर विकास कार्यों का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान गेंवाली को जोड़ने वाले मोटर पुल की प्रगति बेहद धीमी पाई गई। पुल निर्माण में संतोषजनक प्रगति न होने पर डीएम ने नाराजगी जताते हुए तत्काल प्रभाव से ईई का वेतन रोकने के निर्देश दिए। बीते अगस्त-सितंबर में आपदा से गेंवाली गांव में खेती को भारी नुकसान पहुंचा था और संपर्क मार्ग भी क्षतिग्रस्त हो गए थे। इसके बाद सितंबर में डीएम ने पुल निर्माण कार्यों का निरीक्षण करते हुए ईई को नियमित निगरानी के निर्देश दिए थे। उस समय ईई ने दिसंबर 2०25 तक कार्य पूर्ण करने का आश्वासन दिया था। तब से सात माह बीतने के बाद भी कार्य में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर डीएम ने इसे गंभीर लापरवाही माना। उन्होंने कहा कि ईई ने न तो मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण किया और न ही संबंधित कार्यदायी संस्था के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की। बार-बार चेतावनी के बावजूद कार्यशैली में सुधार न होना राजकीय दायित्वों के प्रति उदासीनता को दर्शाता है।

शिक्षक और जनसहयोग ने बदली जखोना विद्यालय की तस्वीर

नई टिहरी(आरएनएस)। अभिभावकों और शिक्षकों के आपसी सहयोग से भिलंगना ब्लॉक के कंडारस्यूं क्षेत्र में स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय जखोना प्रथम की तस्वीर बदल गई है। कभी मरम्मत के अभाव में खंडहर में तब्दील होता विद्यालय भवन अब आकर्षक स्वरूप में नजर आ रहा है जिससे क्षेत्र के अभिभावकों में सरकारी स्कूल के प्रति भरोसा भी बढ़ा है। छात्र संख्या 1० से बढ़कर 31 तक पहुंच गई है।

भिलंगना ब्लॉक के राजकीय प्राथमिक विद्यालय जखोना प्रथम ने जनसहयोग और शिक्षक की पहल से ऐसा बदलाव देखा है जो सरकारी स्कूलों के लिए प्रेरक बन गया है। 196० के दशक में बना यह विद्यालय लंबे समय से मरम्मत के अभाव में जर्जर होकर खंडहर में तब्दील होने लगा था लेकिन अब यह आकर्षक स्वरूप में नजर आ रहा है और छात्रों की पसंद भी बनता जा रहा है। स्कूल भवन की खराब स्थिति को लेकर शिक्षक और अभिभावक लंबे समय से शिक्षा विभाग से मरम्मत की मांग कर रहे थे लेकिन धनराशि स्वीकृत नहीं हो पाई। प्रधानाध्यापक सुधीर कोहली ने वर्ष 2०22 में कार्यभार संभालने के बाद जनसहयोग से स्कूल को संवारने की पहल की। उन्होंने स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों से सहयोग जुटाया जिसका सकारात्मक परिणाम सामने आया। विद्यालय के विकास के लिए क्षेत्रीय विधायक शक्ति लाल शाह ने तीन लाख रुपये और तत्कालीन ब्लॉक प्रमुख बसुमति घणाता ने दो लाख रुपये की धनराशि उपलब्ध कराई। इसके अलावा स्थानीय स्तर पर भी सहयोग मिला।

स्कूल दीवारों पर शैक्षिक चित्रकारी के लिए अनिल चौहान और विद्यालय गेट निर्माण के लिए प्रवासी बच्चीराम डिमरी ने आर्थिक योगदान दिया। सामूहिक प्रयास से विद्यालय भवन का जीर्णोद्धार, रंग-रोगन और सौंदर्यीकरण किया गया जिससे स्कूल का पूरा वातावरण बदल गया। विद्यालय की दीवारों को रंग-बिरंगी शैक्षिक पेंटिंग से सजाया गया है जिनमें बच्चों के लिए उपयोगी विषयों को चित्रों और लेखन के माध्यम से दर्शाया गया है। बेहतर माहौल का असर अब छात्र नामांकन पर भी दिखाई दे रहा है।

वर्ष 2०22 में जहां विद्यालय में मात्र 1० छात्र थे वहीं अब छात्र संख्या बढ़कर 31 पहुंच गई है। प्रधानाध्यापक कोहली ने बताया कि बेहतर व्यवस्थाओं और पढ़ाई के माहौल के चलते आसपास के खिरबेल गांव के बच्चे भी हमारे विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए आ रहे हैं जबकि पहले वे निजी स्कूलों का रुख करते थे। गत वर्ष राज्यस्तर पर जखोना प्रथम को निपुण विद्यालय घोषित किया गया। ग्रामीण विकास सचिव रविनाथ रमन की ओर से सम्मानित किया गया। पिछले तीन वर्षों में विद्यालय के पांच छात्र-छात्राओं का चयन जवाहर नवोदय विद्यालय के लिए हुआ है।

चम्पावत में गोलज्यू महोत्सव की तैयारी तेज

चम्पावत(आरएनएस)। चम्पावत में गोलज्यू महोत्सव की तैयारी तेज हो गई है। मई में होने वाले महोत्सव में तीन सौ अस्थाई टीन शेड बनाए जाएंगे। दस दिन तक चलने वाले महोत्सव में सांस्कृतिक समेत तमाम अन्य गतिविधियां होंगी। जिला मुख्यालय में मई में होने वाले गोलज्यू महोत्सव को लेकर पालिका ने तैयारी शुरू कर दी है।

महोत्सव के दौरान गोरलचौड़ मैदान में दुकानदारों के लिए 3०० अस्थायी टिन शैड बनाए जाएंगे। ईओ भरत त्रिपाठी के अनुसार महोत्सव में लगने वाले पांडाल, वाटरफ्रूफ स्टेज निर्माण, पंडाल में बैठने की पर्याप्त व्यवस्था, साज सज्जा और पंडाल परिसर में एलईडी स्क्रीन सहित अन्य व्यवस्था के लिए टेंडरिंग प्रक्रिया शुरू की गई है। महोत्सव परिसर में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। पालिकाध्यक्ष प्रेमा पांडेय ने बताया कि चिन्हित किए गए स्थानों में झूले, ज्वाइंट व्हील, कोलम्बस, नाव, ड्रेगन ट्रेन, मारुति सर्कस, जम्पिंग, नैनो, बतख, हैलीकाप्टर, मिक्की माउस आदि की व्यवस्था की जाएगी।

यात्रा के दौरान तैनात रहेंगे अतिरिक्त होमगार्ड, पीआरडी व पुलिस के जवान

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के दौरान श्रीनगर पुलिस प्रशासन की ओर से विशेष तैयारियां की जा रही हैं। कीर्तिनगर पुल से लेकर कलियासौड़ सिरोबगड़ तक पुलिस व प्रशासन की ओर से यात्रियों को किसी तरह की दिक्कतें न हों इसके लिए व्यवस्थाएं जुटाई जा रही हैं। इस दौरान ट्रैफिक अनियंत्रित न हो इसके लिए होमगार्ड, पीआरडी व पुलिस के अतिरिक्त जवान यात्रा मार्ग पर तैनात रहेंगे। कोतवाली निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि फरासू, पौड़ी चुंगी व कलियासौड़ के समीप गोवा बीच में पुलिस की अस्थायी चौकियां बनाई जाएंगी। साथ ही एनआईटी मैदान के पास कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यात्रा बढ़ने या राजमार्ग पर जाम, अवरुद्ध होने की स्थिति में डुंगरीपंथ व देवलगढ़ मोटर मार्ग से यात्रा का डायवर्जन किया जाएगा।

मेयर बाली ने किया सड़कों का शिलान्यास

काशीपुर(आरएनएस)। मेयर दीपक बाली ने करोड़ों की लागत से बनने वाली सड़कों का शिलान्यास किया। सोमवार को मेयर बाली ने वार्ड संख्या 7 हेमपुर स्माइल दक्षिणी में 38 लाख 88 हजार की लागत से 2 सड़कों, वार्ड संख्या 6 हेमपुर इस्माइल उत्तरी में 1 करोड़ 41 लाख 36 हजार की लागत से 3 सड़कों और वार्ड संख्या 34 गिरीताल में 2० लाख 34 हजार की लागत से एक सड़क के निर्माण कार्य का विधिवत शिलान्यास किया। इस दौरान मेयर बाली ने कहा कि शहर के प्रत्येक वार्ड में सड़क, जल निकासी और आधारभूत सुविधाओं को बेहतर बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से खराब सड़कों की समस्या झेल रहे लोगों को अब राहत मिलेगी और आने-जाने में सुगमता आएगी। यहां सांसद प्रतिनिधि राहुल पैगिया, मंडल अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पार्षद अनूप सिंह, सतीश कुमार, विजय बॉबी, शक्ति केंद्र संयोजक कमलेश कुमार, जसवीर सिंह सैनी, चौधरी समरपाल सिंह, तेज बहादुर गुप्ता, गौरव शर्मा तथा बूथ अध्यक्ष बलजीत सिंह आदि रहे।

हिल बाईपास की मरम्मत में तेजी लाई जाए: मेलाधिकारी

विकासनगर(आरएनएस)। मेलाधिकारी सोनिका ने हरिद्वार के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर कुंभ मेले की तैयारियों और जमीनी चुनौतियों का जायजा लिया। उन्होंने हरकी पैड़ी में गंगा स्नान कर आगामी कुंभ के सफल और सुव्यवस्थित आयोजन के लिए मां गंगा से प्रार्थना की। अगले साल 14 अप्रैल को मेष संक्रांति के पावन पर्व पर कुंभ का प्रमुख अमृत स्नान होना है।

इसे देखते हुए मेला प्रशासन ने सभी कार्यों को काउंटडाउन मोड में डालते हुए समयबद्ध तरीके से पूरा कराने की कवायद शुरू कर दी है। सभी विभागों को लक्ष्य और समय-सीमा तय कर कार्यों की सतत निगरानी व नियमित समीक्षा के निर्देश दिए गए हैं। गंगा स्नान के बाद मेलाधिकारी ने हरकी पैड़ी क्षेत्र, हिल बाईपास, मनसा देवी पैदल मार्ग, मोतीचूर रेलवे स्टेशन, औद्योगिक क्षेत्र मार्ग, हरिद्वार रेलवे स्टेशन मार्ग, सिंहद्वार, कांवड़ पटरी मार्ग, शंकराचार्य चौक, कनखल क्षेत्र, आस्था पथ और रोड़ी-बेलवाला सहित कई महत्वपूर्ण स्थलों का निरीक्षण किया। उन्होंने घाटों, पुलों, सड़कों, पैदल मार्गों, पार्किंग व्यवस्था और अन्य जनसुविधाओं की स्थिति देखी और भीड़ प्रबंधन से जुड़ी संभावित चुनौतियों का आकलन किया।अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि कांवड़ पटरी मार्ग को शीघ्र दुरुस्त किया जाए। हिल बाईपास की मरम्मत में तेजी लाई जाए। मनसा देवी पैदल मार्ग के सुधार और पुनर्निर्माण कार्य तय समय-सीमा में पूरे किए जाएं। इसके साथ ही अतिक्रमण हटाने, रेलवे स्टेशन पर यात्रियों के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और घाटों पर स्नानार्थियों की सुरक्षा, सुविधा व सुगमता सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए।मेलाधिकारी ने कहा कि कुंभ मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, स्वच्छता, सुविधा और सुगम आवागमन प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। निरीक्षण के दौरान नंदन कुमार, मनजीत सिंह सहित विभिन्न विभागों और कार्यदायी संस्थाओं के अधिकारी मौजूद रहे।कुंभ मेला 2०27 ः प्रमुख स्नान तिथियां14 जनवरी - मकर संक्रांति०6 फरवरी - मौनी अमावस्या11 फरवरी - बसंत पंचमी2० फरवरी - माघ पूर्णिमा०6 मार्च - महाशिवरात्रि (अमृत स्नान)०8 मार्च - फाल्गुन अमावस्या (अमृत स्नान)०7 अप्रैल - नव संवत्सर14 अप्रैल - मेष संक्रांति (प्रमुख अमृत स्नान)15 अप्रैल - श्रीराम नवमी2० अप्रैल - चैत्र पूर्णिमा

ऐसा होता है खाली पेट चाय पीने का असर, पाचन हो जाता है खराब

बेड-टी से दिन की शुरुआत करनेवाले लोगों को कुछ खास तरह की दिक्कतें अपनी सेहत को लेकर अक्सर होती रहती हैं। लेकिन उन्हें पता ही नहीं होता कि आखिर उनकी परेशानी की वजह क्या है... अगर आप भी पेट और पाचन संबंधी कुछ समस्याओं का सामना कर रहे हैं या अक्सर लो फील करते हैं तो यहां जानें क्या हो सकती है आपकी समस्या की वजह...

एनर्जी नहीं उदासी बढ़ती है!

-आपको थोड़ा अजीब जरूर लग सकता है लेकिन अगर आप सुबह के समय खाली पेट चाय लेते हैं तो नोजिया, उनिंदापन, रोने की इच्छा होना और उदासी बढ़ने जैसी मानसिक समस्याएं होने लगती हैं।

-हालांकि आपको अभी तक यही पता होगा कि कैफीन हमें तुरंत एनर्जी देता है। लेकिन अगर आप सुबह के वक्त खाली पेट कैफीन लेंगे तो इससे तो इसके साइड इफेक्ट मानसिक समस्याओं के रूप में भी सामने आ सकते हैं।

गट बैक्टीरिया को हानि

-हमारे पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने में गट बैक्टीरिया का बहुत बड़ा रोल होता है। ये ऐसे बैक्टीरिया हैं, जो सेहत को दुरुस्त रखने के लिए भोजन के पाचन और जरूरी एंजाइम्स के उत्पादन में सहायता करते हैं।

-लेकिन खाली पेट चाय पीने से इन्हें हानि पहुंचती है। साथ ही हमारे मुंह में बने अच्छे बैक्टीरिया भी चाय में मिली शुगर को तोड़ने में जुट जाते हैं, जिससे ओरल हेल्थ को हानि होती है। इससे मुंह से स्मेल आने की दिक्कत बढ़ जाती है।

यूरिन अधिक आना

-चाय के साथ दिन की शुरुआत करनेवाले लोगों को सबसे पहले समस्या यूरिन अधिक आने की होती है। इससे इनके शरीर में पानी की कमी होने लगती है। क्योंकि चाय में मौजूद कैफीन और दूसरे डियूरेटिक एलिमेंट्स शरीर से पानी के बाहर करने का काम करते हैं।

-इस कारण बार-बार प्यास लगना और बार-बार यूरिन आने की समस्या अक्सर हो जाती है। इस कारण पेट भी ठीक से साफ नहीं होता। पेट में भारीपन और टफनेस की दिक्कत हो सकती है।

पेट साफ नहीं होता

-अगर आपको पेट ठीक से साफ ना होने की शिकायत रहती है तो इसका एक कारण आपकी बेड-टी लेने की आदत भी हो सकती है। क्योंकि दिन की शुरुआत चाय के साथ करने से पेट में एसिडिटी की समस्या हो जाती है।

-कैफीन से दिन की शुरुआत करना पाचन तंत्र को डिस्टर्ब करता है और चाय में बड़ी मात्रा में कैफीन होता है। खासतौर पर जिन लोगों को मोशन से जुड़ी दिक्कत होती है, उन्हें दिन की शुरुआत चाय के साथ नहीं करनी चाहिए।

शॉपिंग के दौरान बचाने हैं पैसे तो फॉलो करें ये आसान टिप्स

शॉपिंग के दौरान अक्सर लोग अपने तय बजट से ज्यादा खर्च कर देते हैं, जो उनके बजट पर बुरा असर डालता है। इस स्थिति में उनके लिए महीने को मैनेज करना बड़ा टास्क बन जाता है। आपके साथ ऐसा न हो इसके लिए हम लाए हैं कुछ बेहद काम के टिप्स।

सबसे पहले तो इसकी लिस्ट बनाएं कि आपको क्या लेना है। लिस्ट का तरीका सिर्फ किराना लाने के लिए बल्कि कपड़ों आदि की शॉपिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जा सकता है। बस आपको अपने कपड़ों को एक बार अच्छे से देखना है और यह लिखना है कि आपके पास क्या नहीं है या किस तरह के कपड़ों की आपको सबसे ज्यादा जरूरत है। यह फिल्टर उन चीजों पर बिना मतलब के खर्चे से बचने में मदद करेगा।

लोग डिजिटल पैमेंट की ओर जा रहे हैं और हम कैश कैरी करें? जी हां, अगर आपको अपने बजट में रहते हुए शॉपिंग करना है तो इससे अच्छा और कोई तरीका नहीं हो सकता। जब खर्च करने के लिए एक्स्ट्रा पैसे ही नहीं होंगे तो भला आप दूसरी चीजों पर खर्च ही कैसे कर सकेंगे और यही चीज आपको फालतू के खर्चों से बचा लेगी।

चाहे कपड़े लेने हों या फिर किराना, किसी एक जगह न अटकें और दूसरी जगहों पर भी इन चीजों को देखें। उदाहरण के लिए कपड़ों पर एक जगह जो जींस आपको 4000 की मिल रही है, वैसी ही जींस दूसरी जगह डिस्काउंट के साथ मिल सकती है या फिर दूसरे ब्रैंड में कम कीमत पर खरीदी जा सकती है। इसी तरह मान लीजिए अगर एक ब्रैंड का लोशन 340 रुपये का मिल रहा है तो हो सकता है दूसरे ब्रैंड के लोशन पर इसी कीमत में एक के साथ एक फ्री मिल रहा है। इसलिए जितना हो सके पहले एक्सप्लोर जरूर करें।

बोरियत होने पर गेम्स खेलें, मूवी देखें, कुकिंग करें... कुछ भी करें लेकिन शॉपिंग नहीं। सबसे खतरनाक होती है इमोशनल शॉपिंग जो सबसे ज्यादा बिना मतलब का खर्चा करवाती है। इस तरह की शॉपिंग का एक और नुकसान यह भी होता है कि इस दौरान ली गईं ज्यादातर चीजें ऐसी होती हैं जिनका आप कभी यूज भी नहीं करेंगे। आजकल ज्यादातर ब्रैंड्स की वेबसाइट्स भी होती हैं जहां से कपड़ों को ऑनलाइन ऑर्डर किया जा सकता है।

साइड फैट को दूर करने के लिए करें ये एक्सरसाइज

साइड फैट कमर के किनारों पर मौजूद अतिरिक्त चर्बी होता है। इसे आमतौर पर मफिन टॉप के रूप में जाना जाता है।कई लोगों को लगता है कि साइट फैट को कम करना मुश्किल भरा काम है, लेकिन कुछ एक्सरसाइज के जरिए इससे छुटकारा मिल सकता है।आइए आज हम आपको 5 ऐसी एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें रोजाना 20-30 मिनट तक करने से साइड फैट को कम करने और पतली कमर बनाने में मदद मिल सकती है।

साइड प्लैंक

इसके लिए पैरों को सामने की ओर फैलाकर जमीन पर बैठें और दाएं हाथ की हथेली को जमीन पर रखें।इसके बाद धीरे-धीरे अपने शरीर का सारा वजन दाईं हथेली और दाएं पैर पर डालें।अब बाएं पैर को दाएं पैर पर रखें और बाएं हाथ को ऊपर की ओर सीधा रखें, फिर अपना ध्यान बाएं हाथ की उंगलियों पर केंद्रित करें।कुछ देर बाद धीरे-धीरे सामान्य हो जाएं।यहां जानिए अलग-अलग तरीकों से की जाने वाली प्लैंक एक्सरसाइज।

बाइसिकल क्रंच

एब्डॉमिनल क्रंच एक्सरसाइज का वेरिएशन पार्ट बाइसिकल क्रंच के लिए सबसे पहले पीठ के बल लेंट जाएं।अब दोनों हाथों को सिर के पीछले हिस्से पर रखें और पैरों को जमीन से थोड़ा ऊपर उठाएं। इस दौरान बिना गर्दन में खिंचाव लाए कंधों को जमीन से थोड़ा ऊपर उठा लें।अब दाएं पैर के घुटने को छाती के पास ले आएं और इसे सीधा करके बाएं घुटने को छाती के करीब लाएं। 5 मिनट तक लगातार धीरे-धीरे ऐसे ही दोहराएं।

लेग लिफ्ट

सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर पीठ के बल सीधा लेटें।इसके बाद दोनों पैरों को घुटनों से मोड़े। इसके बाद एक पैर को 45 डिग्री तक उठाकर वापस नीचे करें।कुछ सेकंड तक इस प्रक्रिया को दोहराएं। प्रत्येक पैर से इसे 15 से 20 बार दोहराएं। इस एक्सरसाइज को करने से कमर के किनारे पर मौजूद अतिरिक्त चर्बी धीरे-धीरे कम हो सकती है।

हिप डिप्स

सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर सीधे लेट जाएं।इसके बाद पैरों को इस तरह से मोड़ें जिससे शरीर का निचला हिस्सा ब्रिज जैसा दिखने लगे। इस दौरान अपने दोनों हाथों को एड़ियों के करीब लाने की कोशिश करें। अब कूल्हों को धीरे-धीरे एक मिनट तक ऊपर-नीचे करें।यह एक्सरसाइज का एक रेप्स है। ऐसे कम से कम 5 रेप्स करें। आप चाहें तो अपनी सुविधा के लिए सिर के नीचे एक तौलिये को लपेटकर रख सकते हैं।

डंबल साइड बेंड

इस एक्सरसाइज के लिए सबसे पहले एकदम सीधे खड़े हो जाएं और दोनों हाथों में अपनी क्षमतानुसार डंबल उठा लें।अब दाएं हाथ को ऊपर उठाएं और बाईं ओर झुककर खुद को अधिक से अधिक स्ट्रेच करने की कोशिश करें।इस अवस्था में 10-15 सेकेंड तक रहें और फिर इसी प्रक्रिया को अपने बाएं हाथ से भी दोहराएं। हर तरफ से कम से कम 20 बार ऐसा करें।बेहतर परिणाम के लिए कुछ दिनों तक इस एक्सरसाइज को लगातार करें।

शब्द सामर्थ्य -002

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

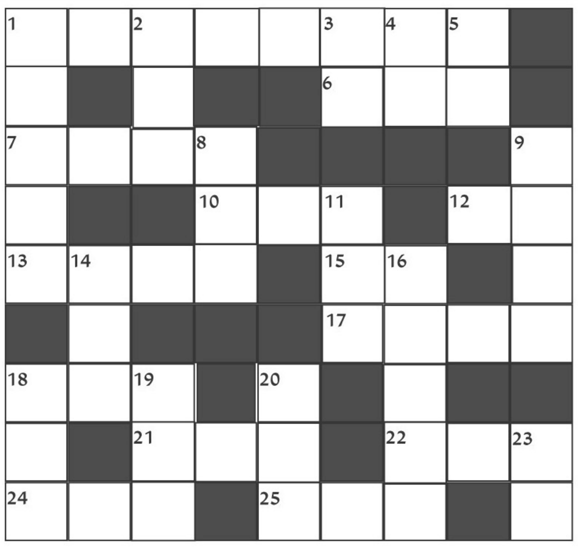

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 01 का हल

मा	म	ला		सि	वा	य		कि
लि		चा	ह	त		म	म	ता
क	सू	र		म	ग	न		ब
	र				द			
क	मा	न		पा	र	स		स
मी		म	जा	ल		न	क	ली
ना	दा	न		ना	र	द		का
	मि				तौं			
सु	नी	ल		अ	धी	र		जी

मंगल-देश की बेटी शो का नया सफर जरूर धमाल मचाएगा!

भारतीय टेलीविजन की दुनिया में कई शो होते हैं जो दर्शकों के दिल में अपनी खास जगह बना लेते हैं। ऐसे ही शो में से एक है मंगल लक्ष्मी, जो अब अपने नए अध्याय मंगल-देश की बेटी के साथ दर्शकों के सामने आया है। इस नई कहानी में मुख्य किरदार मंगल नई जिम्मेदारियों और चुनौतियों का सामना करती है। अभिनेत्री दीपिका सिंह ने इस नई यात्रा को लेकर इंस्टाग्राम पर एक भावपूर्ण पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने अपनी खुशी, उत्साह और टीम के प्रति आभार जताया। दीपिका ने अपने पोस्ट में लिखा कि वह इस नए चैप्टर को लेकर पूरी तरह से अभिभूत और उत्साहित हैं। उन्होंने दर्शकों को बताया कि इस कहानी में मंगल को देश की सेवा का अवसर मिलता है और वह खुद को विशेष महसूस करती हैं।

दीपिका ने अपने कैप्शन में लिखा, मंगल-देश की बेटी के इस नए सफर को निभाने के लिए मैं बेहद खुश, रोमांचित और उत्साहित हूं। उन्होंने अपने पोस्ट में टीम का भी धन्यवाद किया। दीपिका ने कहा कि पिछले 700 एपिसोड्स के दौरान पूरी टीम ने लगातार मेहनत और समर्पण दिखाया। उन्होंने बताया कि दर्शकों का समर्थन ही उनकी इस सफलता की सबसे बड़ी वजह है। दीपिका के इस पोस्ट पर कई लोगों ने कमेंट्स किया। एक ने लिखा, दीपिका जी, आपका नया किरदार देखकर बहुत खुश हूं! मंगल का यह रूप बहुत प्रेरणादायक लग रहा है। दूसरे फैंस ने लिखा, आपकी मेहनत और एनर्जी सच में कमाल की हैं! अन्य ने लिखा, शो देखने के लिए अब और भी उत्साहित हो गए हैं, ये नया सफर जरूर धमाल मचाएगा।, आपकी एक्टिंग हमेशा दिल को छूती है। मंगल लक्ष्मी कन्नड़ टीवी सीरीज भाग्यलक्ष्मी का आधिकारिक रूपांतरण है। इस शो में दीपिका के अलावा सनिका अमित, नमन शॉ और शुभम दीक्षा मुख्य कलाकार हैं। इस कहानी में मंगल अपनी बहन लक्ष्मी के लिए सही जीवनसाथी खोजती हैं।

त्रिकाल में बुराई के खिलाफ जंग लड़ते दिखेंगे महेंद्रन और श्रद्धा दास

दक्षिण भारतीय सिनेमा में स्पिरिचुअल और सुपरनैचुरल कहानियों को दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। जब इन कहानियों में थ्रिल, रहस्य और इमोशन का मिश्रण होता है, तो फिल्म और भी दिलचस्प बन जाती है। यही वजह है कि दर्शक ऐसी फिल्मों का बेसब्री से इंतजार करते हैं, जिनमें सिर्फ मनोरंजन ही नहीं बल्कि एक अलग अनुभव भी मिलता है। अब ऐसी ही एक फिल्म त्रिकाल चर्चा में है, जो अपने अनोखे विषय और दमदार कहानी की वजह से पहले ही सुर्खियां बटोर रही है। अब इस फिल्म की रिलीज डेट को लेकर चर्चा हो रही है। डायरेक्टर मणि थेलागुटी की इस फिल्म में महेंद्रन और श्रद्धा दास मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। यह एक स्पिरिचुअल सुपरनैचुरल थ्रिलर फिल्म है, जिसमें अच्छाई और बुराई के बीच की लड़ाई को दिखाया जाएगा। इंडस्ट्री से जुड़ी खबरों के अनुसार, यह फिल्म 24 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है, हालांकि अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। बताया जा रहा है कि पहले इस फिल्म को जनवरी में रिलीज करने की योजना बनाई गई थी, लेकिन बाद में मेकर्स ने इसकी तारीख बदलने का फैसला किया। अब इसे अप्रैल में रिलीज करने की तैयारी की जा रही है।

इस फिल्म को तमिल में त्रिकांडा नाम से रिलीज किया जाएगा। से बात करते हुए प्रोड्यूसर श्रीनिवास ने बताया था कि फिल्म की शूटिंग चेन्नई और हैदराबाद में लगभग 60 से 70 दिनों में पूरी की गई। वे फिल्म को 23 जनवरी को रिलीज करने के बारे में सोच रहे थे, क्योंकि उनका टारगेट ऐसे दर्शक थे, जो धार्मिक यात्रा पर जाते हैं, खासकर सबरीमाला। उनका मानना था कि जब लोग अपनी यात्रा से लौटेंगे, तब फिल्म को रिलीज करना ज्यादा सही रहेगा। हालांकि उस समय कोई तारीख तय नहीं की गई थी। फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता तब और बढ़ गई जब इसका ट्रेलर सामने आया। ट्रेलर की शुरुआत कुछ डरावने और रहस्यमयी दृश्यों से होती है और इस बीच एक आवाज सुनाई देती है, जिसमें कहा जाता है कि यह लड़ाई रोशनी लाने के लिए है, लेकिन अंधेरा इस रोशनी को हमेशा के लिए खत्म करना चाहता है। ट्रेलर में आगे दिखाया गया है कि लोग डर में जी रहे हैं और बुरी ताकतों का प्रभाव बढ़ता जा रहा है। ऐसे में लोगों के मन में सवाल हैं कि क्या इस विनाश को रोका जा सकता है या नहीं। फिल्म में महेंद्रन को दमदार एक्शन करते हुए दिखाया गया है। वहीं, श्रद्धा दास एक साइकेट्रिस्ट के रोल में नजर आती हैं। फिल्म में एक ऐसा मोड़ आता है, जहां वह एक मरीज को मानसिक बीमारी से ग्रसित समझती हैं, लेकिन असल में वह बुरी शक्तियों के प्रभाव में होता है। इससे फिल्म में सस्पेंस और बढ़ जाता है।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

सिंगापुर शहर के आकर्षण में खो गई मौनी रॉय

फिल्म और म्यूजिक की दुनिया में अक्सर शूटिंग लोकेशन्स कलाकारों के लिए बेहद खास होती हैं। ऐसा ही कुछ अनुभव अभिनेत्री मौनी रॉय ने किया, जब उन्होंने सिंगापुर में अपने नए म्यूजिक वीडियो सॉसी की शूटिंग की। इस गाने में उन्होंने पंजाबी सिंगर-रैपर रियार साब और मशहूर रैपर डिवाइन के साथ काम किया है। मौनी रॉय ने अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि सिंगापुर पहले से ही उनकी ट्रैवल लिस्ट में था, लेकिन इस बार वहां जाना उनके लिए बेहद खास बन गया। उन्होंने कहा, इस खूबसूरत देश को पहली बार एक्सपीरियंस करना और उसी दौरान शूटिंग करना मेरे लिए एक अनोखा अनुभव था। मुझे वहां का खाना, फैशन और माहौल बेहद अच्छा लगा। मैं खुद को उस माहौल में पूरी तरह घुली हुई महसूस कर रही थी। मौनी ने कहा, शूटिंग के दौरान मैं शहर के अलग-अलग हिस्सों में गई और हर जगह का अलग ही अनुभव था। कभी शहर बहुत तेज रफ्तार और हलचल भरा लगता था, तो कभी शांत और सुकून देने वाला। धीरे-धीरे मुझे इस शहर से एक खास जुड़ाव महसूस होने लगा। मैं यहां काम करने आई थी, लेकिन इस शहर के आकर्षण में कहीं खो सी गई। मैं दोबारा जरूर सिंगापुर आना चाहूंगी।

गाना सॉसी गली गैंग एंटरटेनमेंट के बैनर तले तैयार किया गया है और यह डिवाइन के पांचवें स्टूडियो एल्बम वॉकिंग ऑन वॉटर का हिस्सा है।

डिवाइन ने इस गाने को लेकर कहा कि वह एक ऐसा ट्रैक बनाना चाहते थे जिसे लोग आसानी से सुन सकें और अच्छा महसूस करें। यह गाना एक अलग तरह की वाइब देता है, जिसमें म्यूजिक और एनर्जी दोनों है।

उन्होंने कहा, रियार साब के साथ मेरी केमिस्ट्री हमेशा अच्छी रही है और मौनी रॉय के साथ काम करने से यह प्रोजेक्ट और भी खास बन गया। जब शूटिंग के लिए लोकेशन तय की जा रही थी, तो सिंगापुर सबसे सही जगह लगा। मुझे इस शहर की तेज रफ्तार अंदाज काफी पसंद आया।

वहीं, रियार साब ने भी अपने अनुभव साझा करते हुए कहा, डिवाइन के साथ काम करना हमेशा आसान और मजेदार होता है। सॉसी ऐसा गाना है जिसमें शुरुआत से ही सही एनर्जी थी। सिंगापुर में शूटिंग करना एक अलग और खास अनुभव था। हमने इस गाने में अपना पंजाबी अंदाज जोड़ने की कोशिश की है, ताकि लोग इसे सुनकर एंजॉय कर सकें।

कुशा कपिला बोलीं- महिलाओं का ये हुनर आज भी हाशिए पर

नेटफ्लिक्स की लोकप्रिय सीरीज मामला लीगल है 2 की अभिनेत्री कुशा कपिला ने हाल ही में कॉमेडी जगत में महिलाओं की स्थिति पर अपनी राय रखी है। कुशा ने अर्चना पूरन सिंह और जूही चावला जैसी दिग्गज अभिनेत्रियों का उदाहरण देते हुए कहा कि कॉमेडी में महिलाओं को वो सम्मान और पहचान नहीं मिलती, जिसके वे वास्तव में हकदार हैं। उन्होंने इस क्षेत्र में महिलाओं के योगदान को कमतर आंकने पर अपनी चिंता जाहिर की है।

कुशा कपिला ने बताया कि कॉमेडी की दुनिया में महिलाओं को वो श्रेय नहीं मिलता, जिसकी वे हकदार हैं। उन्होंने कहा, आप अर्चना पूरन सिंह को ही देख लीजिए, किसी भी फिल्म में उनकी कॉमिक टाइमिंग बेहतरीन होती है या फिर इश्क फिल्म में जूही चावला, वो अकेले ही सारे सीन संभाल लेती हैं। उनकी कॉमिक टाइमिंग कमाल की थी, लेकिन जब बात कॉमेडी की आती है तो हम पुरुषों के नाम ज्यादा लेते हैं।

कुशा ने कहा, हाल ही में मैं मामला लीगल है की निधि (निधि बिष्ट) का जिक्र करना चाहूंगी। शो देखने के बाद मैंने उन्हें इंस्टाग्राम पर खोजने की कोशिश की। शो में एक सीन है, जहां वो गालियों के प्रकार के बारे में बात करती हैं, वो वाकई बेमिसाल है। मुझे फ्लीबैग जैसा शो भी बहुत पसंद है। इसके अलावा गर्ल्स है। सच तो ये है कि भारत में लड़कियों के हास्य को अभी उतना ज्यादा परखा नहीं गया है।

जब कुशा से पूछा गया कि एक कलाकार और एक दर्शक के तौर पर वो किस तरह की कॉमेडी देखना पसंद करती हैं? जवाब में कुशा ने कहा, मैं शेखर सुमन का मूवर्स एंड शेकर्स देखती थी, जहां वो बहुत सारी राजनीतिक टिप्पणी किया करते थे। फिर उन्होंने देख भाई देख नाम का शो किया, जो बहुत ही मजेदार था। मुझे खिचड़ी भी बहुत पसंद था और साराभाई वर्सेज साराभाई भी अपने समय से काफी आगे का शो था।

कुशा एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर, कॉमेडियन और अभिनेत्री हैं। वो इंस्टाग्राम पर अपने मजाकिया वीडियो के लिए जानी जाती हैं। अपनी कॉमिक टाइमिंग के लिए प्रसिद्ध कुशा ने कई कॉमेडी शो में अपनी प्रतिभा दिखाई है। कुशा का जन्म नई दिल्ली में हुआ था। अभिनय और क्रिएशन में आने से पहले उन्होंने एक फैशन एडिटर के रूप में काम किया था। उन्होंने वेब सीरीज (मामला लीगल है) और फिल्मों (घोस्ट स्टोरीज और थैंक यू फॉर कमिंग) में अभिनय किया है।

श्रीनगर में रोडवेज के हाईटेक वर्कशॉप निर्माण में एनजीटी ने फंसाया पेंच

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के महत्वपूर्ण पड़ाव और गढ़वाल मंडल के केंद्र श्रीनगर में प्रस्तावित करीब 10 करोड़ रुपये लागत की रोडवेज हाईटेक वर्कशॉप परियोजना पर्यावरणीय नियमों के कारण अधर में लटक गई है। तीन एकड़ भूमि पर प्रस्तावित इस परियोजना को राष्ट्रीय हरित अधिकरण से अनुमति न मिलने के चलते निर्माण कार्य शुरू नहीं हो पा रहा है। परिवहन विभाग के सहायक अभियंता वीके दीक्षित ने बताया कि वर्कशॉप का निर्माण पीपीपी मोड में प्रस्तावित था, जिसकी जिम्मेदारी उत्तराखंड पेयजल निगम को सौंपी गई थी। एजेंसी द्वारा 10 करोड़ रुपये की डीपीआर भी तैयार कर ली गई थी, लेकिन एनजीटी के उस नियम के चलते परियोजना रोक दी गई है, जिसमें नदी तट से 200 मीटर के भीतर निर्माण कार्य पर प्रतिबंध है। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित स्थल के आसपास पहले से महिला थाना, खाद्य गोदाम, पेट्रोल पंप, एनआईटी और गंगा म्यूजियम का निर्माण कार्य जारी है। ऐसे में विभाग का मानना है कि अन्य संस्थानों द्वारा अपनाई गई तकनीक के आधार पर परिवहन निगम को भी निर्माण की अनुमति मिलनी चाहिए थी। दीक्षित के अनुसार, यदि जिला स्तर की स्थल चयन समिति से सकारात्मक रिपोर्ट मिल जाती, तो बजट स्वीकृति के साथ निर्माण कार्य शुरू हो जाता। इस वर्कशॉप के निर्माण से चारधाम यात्रा को अधिक सुरक्षित और सुगम बनाने में मदद मिलती।

श्रीनगर में घर-घर स्मार्ट मीटर लगाने का अभियान फिर तेज

श्रीनगर गढ़वाल(आरएनएस)। नगर निगम क्षेत्र में घरों में स्मार्ट बिजली मीटर लगाने का रुका हुआ काम एक बार फिर जोर पकड़ने लगा है। ऊर्जा निगम ने इस अभियान को अब तेजी से आगे बढ़ाने की तैयारी कर ली है। विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि भले ही कुछ उपभोक्ता अभी इसका विरोध कर रहे हों लेकिन आने वाले समय में सभी घरों में स्मार्ट मीटर लगवाना पूरी तरह अनिवार्य होगा। श्रीनगर विद्युत विभाग के अवर अभियंता यतेंद्र कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि श्रीकोट क्षेत्र में स्मार्ट मीटर लगाने का काम लगभग 90 फीसदी पूरा हो चुका है। वहीं, श्रीनगर मुख्य शहर के विभिन्न मोहल्लों में भी काम तेजी से चल रहा है। उन्होंने बताया कि अब तक कंसमर्दिनी, डाक बंगला, कमलेश्वर और ब्राह्मण मोहल्ला में करीब 500 स्मार्ट मीटर सफलतापूर्वक लगाए जा चुके हैं। विभाग का लक्ष्य जल्द से जल्द पूरे नगर निगम क्षेत्र को स्मार्ट मीटर से कवर करना है। उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता वर्तमान में स्मार्ट मीटर लगाने पर आपत्ति जता रहा है तो विभाग फिलहाल उनके यहां मीटर नहीं लगा रहा है। हालांकि उन्होंने साफ तौर पर कहा कि सरकारी गाइडलाइन के अनुसार हर घर में स्मार्ट मीटर लगना अनिवार्य है। ऐसे में जो लोग अभी आनाकानी कर रहे हैं, उन्हें भी अंततः यह मीटर लगवाना ही पड़ेगा। विभाग जल्द ही सभी इलाकों में यह कार्य पूरा कर लेगा।

सू- दोकू क्र.002

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.01 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6

फायर सीजन के बीच 100 वन कर्मी जनगणना ड्यूटी में लगाए

हल्द्वानी(आरएनएस)। उत्तराखंड के जंगलों में बढ़ते तापमान के साथ वनाग्नि (फॉरेस्ट फायर) का खतरा गहराने लगा है। फायर सीजन की चुनौतियों के बावजूद, कुमाऊं मंडल के करीब 100 वन कर्मचारियों की ड्यूटी जनगणना कार्य में लगाने के आदेश जारी किए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक, अकेले तराई पश्चिमी वन प्रभाग से सबसे ज्यादा 32 कर्मचारियों को इस कार्य में लगाया गया है, जबकि अन्य प्रभागों से भी फील्ड स्टाफ की तैनाती की गई है। उल्लेखनीय है कि 15 फरवरी से 15 जून तक चलने वाले फायर सीजन के मद्देनजर विभाग पहले ही सभी अधिकारियों और कर्मचारियों की छुट्टियां निरस्त कर चुका है, ताकि वनाग्नि की घटनाओं से निपटने में कोई कोताही न हो। नियमित स्टाफ बाहरवनाग्नि से निपटने के लिए वन विभाग कुमाऊं में अनुबंध के आधार पर 2,620 फायर वाचर रखने की योजना पर काम कर रहा है। इनमें से कई की संवेदनशील इलाकों में तैनाती भी हो चुकी है। सबसे अधिक 395 फायर वाचर चम्पावत, 322 नैनीताल और 263 अल्मोड़ा वन प्रभाग में रखे जाने हैं।

विरोधाभास यह है कि जहां विभाग आग बुझाने के लिए बाहरी मदद ले रहा है, वहीं अपने नियमित और जिम्मेदार कर्मचारियों को जनगणना जैसे गैर-वानिकी कार्यों में भेज रहा है।नियमों और सुप्रीम कोर्ट की रोक की अनदेखीवन अधिकारियों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के स्पष्ट आदेश हैं कि फायर सीजन के संवेदनशील समय में वन कर्मियों की ड्यूटी किसी भी गैर-वानिकी कार्य में नहीं लगाई जाएगी। फॉरेस्ट मैनुअल और विभागीय नियमावली भी यही कहती है कि आग के खतरे के दौरान फील्ड स्टाफ का पूरा ध्यान केवल वनों की सुरक्षा पर केंद्रित होना चाहिए।पांच दिनों में दोगुना हुआ तापमान, घट गई नमीमौसम का मिजाज तेजी से बदल रहा है। बीते दिनों हुई बारिश से जंगलों में नमी बढ़ने की उम्मीद थी, लेकिन तीखी धूप ने नमी को सोख लिया है। बीते आठ अप्रैल अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस और नमी 90% थी। वहीं 12 अप्रैल को 33.1 डिग्री सेल्सियस तापमान और नमी मात्र 21% दर्ज की गई। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि आने वाले दिनों में गर्मी और बढ़ेगी।अप्रैल के दूसरे हफ्ते से जंगल आग के लिहाज से बेहद संवेदनशील हो जाते हैं। इसे देखते हुए फायर वाचरों की तैनाती की जा रही है।

विद्यालय की नई समय सारणी को लेकर शिक्षकों में रोष

काशीपुर(आरएनएस)। विद्यालय की नई समय सारणी को लेकर शिक्षकों में रोष है।

राजकीय माध्यमिक शिक्षक संघ की ब्लॉक कार्यकारिणी ने प्रांतीय नेतृत्व को पत्र भेज कर शासन के आदेश पर कड़ा विरोध दर्ज कराते हुए समय पूर्व की भांति रखने की मांग की है। संघ के ब्लॉक अध्यक्ष कौशल चौधरी, मंत्री अनूप सिंह ने बताया कि राजकीय शिक्षक संघ ने इस निर्णय को लेकर पूर्व में ही सरकार से असहमति जताई थी । लेकिन सरकार ने इसके बाद भी यह निर्णय पारित किया।

संघ इसका पुरजोर विरोध करता है। पत्र में कहा है कि शासन की नई समय सारणी व्यावहारिक दृष्टि से कई समस्या उत्पन्न कर रही है। जिले की भौगोलिक एवं मौसमी परिस्थितियों को ध्यान में रखे बिना शासन ने यह निर्णय लिया है।

पत्र पर उपाध्यक्ष कपिल सैनी, संरक्षक अनीता चौहान, वरिष्ठ सलाहकार नरेश चौहान, कोषाध्यक्ष संदीप कुमार, महिला उपाध्यक्ष बबीता सत्यवाली, संयुक्त मंत्री धर्मेंद्र सिंह, महिला संयुक्त मंत्री नीलम वर्मा, आय व्यय निरीक्षक नफीस अहमद के हस्ताक्षर हैं।

छह माह से ठप पड़े हैं विकास कार्य, टेंडर हो रहे निरस्त!

चमोली(आरएनएस)। नगर पालिका बोर्ड में छह सभासदों की नाराजगी अब खुलकर सामने आ गई है। छह सभासदों ने एक साथ पत्रकार वार्ता की। सभासदों ने कहा कि छह माह से नगर में विकास कार्य ठप पड़े हैं। कई बार अचानक बोर्ड बैठक स्थगित कर दी जा रही है। कई बार टेंडर के बाद भी विकास कार्यों को निरस्त किया जा रहा है। कहा कि जब तक उनके वार्डों के कार्य शुरू नहीं हो जाते वे पालिका के कार्यों में शामिल नहीं होंगे। नगर पालिका की ओर से चार दिवसीय बिखौती कर्ण महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। मगर मेले के शुभारंभ पर नगर के सात सभासदों में से छह सभासद नदारद दिखे जिसके बाद से राजनीतिक चर्चाएं तेज हो गईं। मंगलवार को जीएमवीएन में आयोजित पत्रकार वार्ता में सिमली वार्ड के सभासद मनोज पुंडीर, आईटीआई की कमला रतूड़ी, गांधीनगर की सीमा देवी, ईड़ाबधाणी के उत्तम नेगी, अपर बाजार की हेमा डिमरी और मुख्य बाजार की रीना रावत ने कहा कि नगर के विभिन्न वार्डों के लिए लगभग पौने चार करोड़ की लागत से 36 योजनाओं के टेंडर आमंत्रित किए गए थे लेकिन तीनों बार ये टेंडर निरस्त हो गए। ऐसे में वार्ड के लोग नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। कहा कि पालिका बेवजह कई प्रकार की खरीदारी कर रही है। वार्ड सभासद रीना रावत ने कहा कि उनके वार्ड में मेला हो रहा है। मेले में शामिल क्यों नहीं हुए अधिशासी अधिकारी और पालिकाध्यक्ष को इस संबंध में सभी सभासदों से वार्ता करनी चाहिए थी।

कमर्शियल गैस सिलेंडर की किल्लत पर जताई नाराजगी

हल्द्वानी(आरएनएस)। प्रांतीय नगर उद्योग व्यापार मंडल ने हल्द्वानी में गैस किल्लत को लेकर जिला प्रशासन पर सवाल उठाते हुए कालाबाजारी में लिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।संगठन के केंद्रीय संयोजक डॉ. धर्म यादव और प्रदेश प्रभारी वीरेंद्र गुप्ता ने जारी बयान में कहा कि सरकार गैस की पर्याप्त आपूर्ति का दावा कर रही है, इसके बावजूद हल्द्वानी सहित पूरे जिले में लोगों को लाइनों में लगना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि कमर्शियल गैस सिलेंडर को लेकर जारी एसओपी का पालन नहीं हो रहा है और गैस कंपनियों के कर्मचारियों की मनमानी के चलते व्यापारियों को समय पर गैस नहीं मिल पा रही है। कालाबाजारी की शिकायतें सामने आने के बावजूद संबंधित अधिकारी प्रभावी कार्रवाई नहीं कर रहे हैं।

खालसा चेतना मार्च में उमड़ी संगत

रुद्रपुर(आरएनएस)। खालसा साजना दिवस बैसाखी पर्व पर मंगलवार को गुरुद्वारा श्री कलगीधर सिंह सभा, सितारगंज से गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब तक 20वां महान खालसा चेतना मार्च निकाला गया।

गुरुद्वारा में अरदास के बाद श्री गुरुग्रंथ साहिब की छत्रछाया और पंच प्यारों की अगुवाई में नगर कीर्तन शुरू हुआ। सिख संगत सेवा सोसायटी की ओर से निकले मार्च का नगर के मुख्य चौक, महाराणा प्रताप चौक, तुर्कातिसौर, बधौरा, चीकाघाट, सिसईखेड़ा, बिडौरा और नानकमत्ता में जगह-जगह भव्य स्वागत किया गया। मार्ग में महिलाएं झाड़ू लगाकर सफाई करती रहीं, जबकि संगत ने पुष्पवर्षा कर श्रद्धा प्रकट की। श्रद्धालुओं ने पालकी में मत्था टेककर सुख-समृद्धि की कामना की और धार्मिक जत्थों ने गुरुओं की महिमा का गुणगान किया। बैगपाइपर बैंड आकर्षण का केंद्र रहा, वहीं गतका पार्टी ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। जगह-जगह संगत के लिए प्रसाद का वितरण किया गया।

सोसायटी के संयोजक सोप्रीत बॉबी भाटिया व प्रधान बलबीर सिंह ने बताया कि सिख समाज की विरासत को बढ़ावा देने के लिए हर वर्ष यह आयोजन किया जाता है। करीब 13 किमी की दूरी तय कर मार्च गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब पहुंचा। यहां गुरुद्वारा प्रबंध कमेटी की ओर से अध्यक्ष जोगिंदर सिंह, महासचिव अमरजीत सिंह, सचिव हरभजन सिंह, डायरेक्टर गुरवंत सिंह सोनी, प्रबंध रणजीत सिंह, सुखवंत सिंह भुल्लर, रणजीत सिंह राणा ने खालसा चेतना यात्रा का स्वागत कर पंच प्यारों को सिरोंपा भेंट किया। यहां पालिकाध्यक्ष सुखदेव सिंह, ब्लॉक प्रमुख उपकार सिंह बल, गन्ना समिति अध्यक्ष जरनैल सिंह, शिक्षाविद पलविंदर सिंह औलख, नरेंद्र सिंह बमराह, नवतेज पाल सिंह, गुरसेवक सिंह मोहार, राजेश शैली, मक्खन सिंह, कुलविंदर सिंह, गुरतेज सिंह, राजेंद्र सिंह राजू, बलजिंदर सिंह, अंशु अरोरा, रणजीत सिंह संधू, अशोक गौतम, राजेश मित्तल, सौरभ अरोरा, परमजीत सिंह, जसबीर सिंह, जसपाल सिंह, संदीप सिंह, सुखविंदर सिंह गिल, मनोज झाम, राजेश बजाज, राकेश ढल, राजेश ढल, मनजीत सिंह शेखो मौजूद रहे। सुरक्षा की दृष्टि से सितारगंज से नानकमत्ता तक भारी फोर्स तैनात रहा।

वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित करें निगम प्रशासनःचोपड़ा

संवाददाता

हरिद्वार। संजय चोपडा ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेशों निर्देश अनुसार ललतारो पुल खोखा पटरी संगठन के सभी लाभार्थियों को वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व नगर निगम प्रशासन स्थापित करे।

आज यहां 2010 के कुंभ के दौरान बाल्मीकि चौक ललतारो पुल मार्ग के खोखा पटरी धारकों को अतिक्रमण के नाम पर हटाए जाने का विरोध दर्शाते हुए पुणे आगामी कुंभ मेला 27 की दृष्टिगत ललतारो पुल खोखा पटरी संगठन की बैठक में मुख्य अतिथि लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने शिरकत कर पूर्व में उच्च न्यायालय के आदेशों का क्रियान्वयन करने की मांग को दोहराते हुए ललतारो पुल खोखा पटरी संगठन के सभी लाभार्थियों को विकल्प दिए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा पूर्व में कुंभ मेला 2010 के आयोजन के दौरान ललतारो पुल के खोखा पटरी संगठन के सभी लाभार्थियों को उनके कारोबारी उचित स्थान से मेला प्रशासन द्वारा हटा दिया गया था। आज 16 वर्ष बीत जाने के उपरांत भी अभी तक उच्च न्यायालय के आदेशों के निर्देश अनुसार ललतारो पुल खोखा पटरी संगठन के सभी लाभार्थियों को किसी प्रकार का कोई विकल्प नहीं दिया गया है जो कि अन्याय पूर्ण है। उन्होंने कहा कुंभ मेला 2027 के दृष्टिगत शासन प्रशासन को उच्च न्यायालय के आदेशों को ध्यान में रखते हुए उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली 2016 के अनुरूप उनके पुराने स्थान पर वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना न्याय संगत होगा। उन्होंने कहा नगर निगम प्रशासन द्वारा जिन रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स को लाइसेंस निर्गत किए गए हैं उनको उनके कारोबारी स्थान से हटाया जाता है तो सभी लघु व्यापारियों की न्याय संगत मांगों के लिए संघर्ष जारी रहेंगे। बाल्मीकि चौक ललतारों पुल मार्ग खोखा पटरी संगठन की बैठक का आयोजन शिव पार्क में किया गया। बैठक में अपने विचार व्यक्त करते अध्यक्ष सुनील कुकरेती, महामंत्री फूल सिंह, राजेंद्र कुमार, गजेंद्र चौहान, रिंकू, राम यादव, प्रेम सिंह, कुलदीप रावत, प्रेम सिंह ,पुंडीर ,आशुतोष रावत, ओमप्रकाश भाटिया, पंडित मनीष शर्मा, मुन्नीलाल, रजनी देवी, कामिनी मिश्रा, बबीता, मंजू, सुनीता चौहान बैठक का संचालन फेरी समिति सदस्य कमल सिंह ने किया।

पुल निर्माण में लापरवाही पर सख्त एक्शन, डीएम ने शुरू करायी जांच

हमारे संवाददाता

टिहरी। तहसील घनसाली के गेंवाली गांव में निर्माणाधीन पुल को लेकर सामने आई लापरवाही पर जिलाधिकारी नितिका खण्डेलवाल ने कड़ा रुख अपनाया है। 9 अप्रैल 2026 को गांव के निरीक्षण के दौरान स्थानीय ग्रामीणों ने पुल निर्माण कार्य में हो रही देरी और अनियमितताओं की शिकायत की।

ग्रामीणों ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के अंतर्गत गेंवाली गांव को जोड़ने वाले इस पुल का निर्माण पिछले दो वर्षों से चल रहा है, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हो पाया है। आरोप है कि पिछले वर्ष आई आपदा में पुल पर हुआ निर्माण कार्य बह गया था, इसके बावजूद संबंधित ठेकेदार को बिना कार्य पूर्ण किए ही भुगतान कर दिया गया। पुल निर्माण की धीमी प्रगति और विभागीय लापरवाही को लेकर ग्रामीणों और जनप्रतिनिधियों में भारी रोष देखा गया।

डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने उप जिलाधिकारी घनसाली अलकेश नौडियाल की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच समिति गठित की है। जांच समिति में अधिशासी अभियंता, लोक निर्माण विभाग घनसाली तथा अधिशासी अभियंता, सिंचाई खंड टिहरी को सदस्य बनाय गया है। उन्होंने समिति को निर्देशित किया है कि पुल निर्माण में पूर्व में किए गए कार्यों की गुणवत्ता, वित्तीय भुगतान और समस्त प्रक्रिया की विस्तृत जांच कर एक सप्ताह के भीतर सुस्पष्ट संयुक्त आख्या प्रस्तुत करें। प्रशासन की इस कार्रवाई से स्थानीय लोगों को निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की उम्मीद जगी है।

चल्थी-नौलापानी मार्ग के सुधारीकरण हेतु वित्तीय स्वीकृति

संवाददाता

चम्पावत। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा चम्पावत विधानसभा क्षेत्र के विकास हेतु की गई घोषणा के क्रियान्वयन की दिशा में शासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड सरकार जन-आकांक्षाओं को धरातल पर उतारने के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री द्वारा चम्पावत विधानसभा क्षेत्र के विकास हेतु की गई घोषणा के क्रियान्वयन की दिशा में शासन ने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मुख्यमंत्री की प्राथमिकता वाले 'चल्थी-नौलापानी मार्ग (पी.एम.जी.एस.वाई.)' के सुधारीकरण कार्य हेतु नियोजन विभाग की टी.ए.सी. द्वारा औचित्यपूर्ण पायी गई कुल 754.47 लाख की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वाकांक्षी परियोजना के सफल संचालन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में राज्य आकस्मिकता निधि से प्रथम किश्त के रूप में ₹262.304 लाख (दो करोड़ बासठ लाख तीस हजार चार सौ रुपये) की धनराशि को स्वीकृति के उपरांत अवमुक्त कर दिया गया है। मुख्यमंत्री के इस निर्णय से स्थानीय क्षेत्र के परिवहन ढांचे में व्यापक सुधार होगा और ग्रामीणों को सुगम आवाजाही की सुविधा मिलेगी। शासन द्वारा प्रथम किश्त की धनराशि जिलाधिकारी के निवर्तन पर रखी गई है। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने संबंधित विभाग को निर्देशित किया है कि वे गुणवत्ता के मानकों का कड़ाई से पालन करते हुए निर्धारित समय-सीमा के भीतर कार्य पूर्ण करना सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी मनीष कुमार ने कहा कि मुख्यमंत्री के विजन के अनुरूप जनपद में विकास कार्यों को तेजी से पूरा किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि चल्थी-नौलापानी मार्ग इस क्षेत्र की लाइफलाइन है और इसके सुधारीकरण से न केवल यातायात सुदृढ़ होगा, बल्कि आर्थिक गतिविधियों को भी बल मिलेगा।

चारधाम यात्राः श्री बद्रीनाथ धाम में कोतवाली का विधिवत शुभारम्भ

हमारे संवाददाता

चमोली। आगामी चारधाम यात्रा-2026 को निर्विघ्न, सुरक्षित और सुव्यवस्थित ढंग से सम्पन्न कराने हेतु पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। भगवान श्री बदरीनाथ जी के कपाट खुलने से पूर्व, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सहायता के लिए आज कोतवाली श्री बदरीनाथ का विधिवत शुभारम्भ कर दिया गया है।

पुलिस अधीक्षक चमोली, सुरजीत सिंह पँवार के कुशल निर्देशन में कोतवाली का संचालन पूजा-अर्चना के साथ शुरू किया गया। कार्यभार संभालने से पूर्व पुलिस कर्मियों द्वारा कोतवाली परिसर में श्रमदान कर उसे स्वच्छ और व्यवस्थित बनाया गया, जो पुलिस की सेवा भावना और अनुशासन का प्रतीक है। सुचारू संचालन हेतु उप निरीक्षक नवनीत भंडारी को प्रभारी कोतवाली श्री बदरीनाथ नियुक्त किया गया है। ज्ञात हो कि 23 अप्रैल 2026 को भगवान श्री बदरीनाथ जी के पावन कपाट खुलने जा रहे हैं। यात्रा के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और आपातकालीन सहायता सुनिश्चित करने के लिए श्री बदरीनाथ धाम में पर्याप्त मात्रा में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। पुलिस प्रशासन आपकी सुरक्षित और सुखद यात्रा के लिए प्रतिबद्ध है। चमोली पुलिस सभी श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत करती है और अपील करती है कि यात्रा के दौरान यातायात नियमों एवं स्थानीय प्रशासन के दिशा-निर्देशों का पालन कर पुलिस का सहयोग करें।

खोदी गई सड़कों को त्वरित गति से किया जा रहा है ठीक

❑डीएम के निर्देशों के अनुपालन में किए जा रहे हैं सीवरेज के कार्य

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शहर के अंतर्गत सीवरेज कार्य हेतु खोदी गई सड़कों से क्षेत्रीय जनता, व्यापारियों को हो रही परेशानी के दृष्टिगत जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने विगत दिनों संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आहूत कर चल रहे निर्माण कार्यों को त्वरित गति से दिन रात कार्य करते हुए पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों एवं कांट्रेक्टर को दिए गए थे। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिए है की चारधाम यात्रा शुरू होने पूर्व ही जो भी सीवरेज कार्य हेतु सड़के खोदी गयी है उन सड़कों का हर हाल में मरम्मत कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गये है जिसके अनुपालन में कार्य तीव्रगति से किए जा रहे है।

परियोजना प्रबंधक निर्माण एवं अनुरक्षण इकाई गंगा उत्तराखंड पेयजल निगम मिनाक्षी मित्तल ने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के अनुपालन में केएफडब्लयू वित्त पोषित हरिद्वार जलोत्सारण योजना पैकेज 1 एवं पैकेज 2 के अंतर्गत कराए जा रहे सड़क पुनर्निर्माण संबंधी कार्य जिसके तहत 15 अप्रैल को किए गए निर्माण कार्यों का विवरण निम्नवत है जिसमें- पैकेज 1 में इंटर कॉलेज रोड सीसी रोड 50 मीटर, प्रेम विहार चौक सीसी रोड 39 मीटर, शिव मूर्ति चौक सीसी रोड निर्माण कार्य 27 मीटर,पीपल वाली गली सीसी रोड 22 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है तथा कुल 138 मीटर कार्य पूर्ण कर लिया गया है। तथा पैकेज 2 के अंतर्गत लोकसेवा आयोग सीसी रोड 56 मीटर, गणपति विहार सीसी रोड 40 मीटर, द्वारका विहार पावर ब्लॉक 23 मीटर, गणपतिधाम फेस 3 पावर ब्लॉक 15 मीटर कार्य पूर्ण करते हुए कुल 134 मीटर निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने अवगत कराया है कि जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम खोदे गये सड़कों का कार्य दिन-रात त्वरित गति से किए जा रहे है।

रणनीतिक राज्य उत्तराखंड, धामी का बड़ा बयान

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके साथ ही राज्य पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण राज्य है।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मुख्यमंत्री आवास में "इंडिया डिजिटल इंफ्रॉवरमेंट मीट एंड अवॉर्ड" समारोह के आयोजकों ने शिष्टाचार भेंट की। इस अवसर पर आयोजन से जुड़े विभिन्न विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन वर्तमान समय की आवश्यकता हैं, जिनमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, टेक्नोलॉजी और साइंस से जुड़े विविध विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा विचार-विमर्श किया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस कांफ्रेंस से प्राप्त निष्कर्ष और सुझाव भविष्य में सकारात्मक परिणाम देने के साथ-साथ राज्य और देश के डिजिटल विकास को नई दिशा प्रदान करेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्य है। इसके साथ ही राज्य पर्यटन की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण राज्य है। उन्होंने कहा कि राज्य में प्रतिवर्ष 06 करोड़ से अधिक श्रद्धालु एवं पर्यटक विभिन्न धार्मिक और पर्यटन स्थलों पर आते हैं, जो राज्य की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड में प्राकृतिक सौंदर्य और सांस्कृतिक विविधता के कारण अनेक आकर्षक डेस्टिनेशन उपलब्ध हैं। राज्य में फिल्म शूटिंग के लिए अनुकूल वातावरण है, जिससे फिल्म उद्योग के क्षेत्र में व्यापक बदलाव संभावनाएं मौजूद हैं। इसके अतिरिक्त औद्योगिक निवेश के लिए भी राज्य में बेहतर अवसर उपलब्ध हैं, जिन्हें और विकसित करने की दिशा में सरकार निरंतर कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड को वेडिंग डेस्टिनेशन के रूप में विकसित करने की अपार संभावनाएं हैं। राज्य के सुरम्य स्थल और आधुनिक सुविधाएं इसे डेस्टिनेशन वेडिंग के लिए उपयुक्त बनाती हैं। सरकार इस दिशा में आवश्यक आधारभूत संरचना और सुविधाओं के विकास पर विशेष ध्यान दे रही है।

इस दौरान सचिव नितेश झा, अपर सचिव आलोक पांडे, एन.टी.टी. ग्लोबल डाटा सेंटर के इंडिया हेड 8 निमेश कुमार, अडाणी कनेक्स के कन्ट्री हेड कपिल चुघ, यात्ता डाटा सेंटर की वाइस प्रेजीडेंट सुश्री ज्योति माल्दे, नेटफॉर चाईस डाटा सेंटर के फाउण्डर समीर यादव एवं अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

रैश ड्राइविंग करने वाले तीन वाहन सीज

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने रैश ड्राइविंग करने वाले तीन वाहन सीज कर चालकों का चालान किया।मिली जानकारी के अनुसार कोतवाली सहसपुर क्षेत्र अंतर्गत देहरादून पोंटा फोरलेन हाईवे में एक शादी समारोह से संबंधित कुछ वाहनों द्वारा सड़क पर खतरनाक तरीके से रैश ड्राइविंग करते हुए वाहनों को चलाया जा रहा था जिससे आम जनमानस को परेशानी उठानी पड़ी।

इस घटना के संबंध में सोशल मीडिया पर कुछ फोटो वीडियो भी प्रसारित हुए। उक्त घटना का तुरंत संज्ञान लेते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल के निर्देश पर सहसपुर पुलिस द्वारा तत्काल कार्यवाही करते हुए उक्त वाहनों को चालकों सहित चौकी सभावाला लाकर आवश्यक विधिक कार्यवाही की गई ।वाहनों का मोटर वाहन अधिनियम के अंतर्गत चालान करते हुए सीज किया गया व वाहन चालकों का चालान किया गया। नेशनल हाईवे पर इस प्रकार खतरनाक तरीके से वाहन चलाने वालों के विरुद्ध देहरादून पुलिस की कार्यवाही लगातार जारी है।

दून पुलिस फिर बनी चैम्पियन

❑वॉलीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच जीतकर किया खिताब पर कब्जा

संवाददाता

देहरादून। 24 वीं प्रादेशिक /अन्तर्जनपदीय पुलिस /वाहिनी वॉलीबाल प्रतियोगिता का फाइनल मैच जीतकर किया खिताब पर कब्जा करने वाली टीम को एसएसपी ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

यहां 09 अप्रैल 26 से 11 अप्रैल 26 तक रोशनाबाद हरिद्वार में आयोजित 24 वीं प्रादेशिक/अन्तर्जनपदीय पुलिस/वाहिनी वॉलीबाल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें उत्तराखंड पुलिस के विभिन्न जनपदों/वाहिनी की कुल 18 टीमों द्वारा प्रतिभाग किया गया। प्रतियोगिता में हे. कां. ना.पु. पकंज कुमार के नेतृत्व में स्वर्णिम प्रदर्शन करते हुए जनपद देहरादून की वॉलीवाल टीम द्वारा फाइनल मैच में

जनपद हरिद्वार की टीम को 04-01 हराकर चल बैजयन्ती ट्रॉफी पर कब्जा किया।

विजेता टीम द्वारा आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल से शिष्टाचार भेंट की गई। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा पूरी टीम के स्वर्णिम प्रर्दशन पर उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य का कामना की, साथ ही टीम के सभी सदस्यों को कडी मेहनत कर भविष्य में भी इसी प्रकार के स्वर्णिम प्रर्दशन करने हेतु प्रोत्साहित किया गया।

संजय राउत ने 'नारी शक्ति बिल' को बताया 'भाजपा शक्ति बिल'

हमारे प्रतिनिधि

नई दिल्ली। संसद में महिला आरक्षण बिल के साथ परिसीमन बिल को लाए जाने विरोधी दलों की ओर से तीखी प्रतिक्रिया देखने को मिल रही हैं। शिवसेना (उद्धव ठाकरे) पार्टी नेता संजय राउत ने महिला आरक्षण की आड़ में परिसीमन बिल लाए जाने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी इसके पीछे जो खेल कर रही है हम उसका विरोध करेंगे।

संजय राउत ने कहा कि आप लगभग 800 सीटें लोकसभा की बढ़ाएंगे। महाराष्ट्र विधानसभा की 400 सीटें होंगी, तो इसकी क्या जरूरत है? महिलाओं को अगर 33 फीसद आरक्षण देना है तो अभी जो 543 संख्या है उस पर दीजिए। अभी का जो आंकड़ा है आप उस पर भी दे सकते हो, हम इसे मानेंगे। लेकिन, आपको अपने हिसाब से आंकड़ा बढ़ाना है।

परिसीमन करना है। आपके हिसाब से राजनीति करनी है। तो फिर नारी शक्ति बिल का नाम बदल दो और इसकी जगह भाजपा शक्ति बिल लाइए। ये भाजपा शक्ति बिल है। संजय राउत ने कहा कि हमारी पार्टी का महिला आरक्षण का कोई विरोध नहीं है। उन्होंने कहा कि 2023 में पहले ही ये बिल मंजूर हो चुका है। उस वक्त भी हमने महिला आरक्षण बिल को सपोर्ट किया था। लेकिन, अब जिस तरह से इस बिल की आड़ में भारतीय जनता पार्टी अपना राजनीति फायदा और खेल कर रही है उसका हमारा विरोध है।

शिवसेना नेता ने इस दौरान पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस पार्टी का अध्यक्ष ममता बनर्जी से भी अपील की कि उनके सभी सांसद लोकसभा में आकर सरकार के खिलाफ वोट करें और इस सरकार से बदला लें। संजय राउत ने कहा कि उद्धव ठाकरे को ममता बनर्जी से बात करने की जिम्मेदारी दी गई है। दोनों के बीच पहले से अच्छा कोअर्डिनेशन है।

बता दें कि आज संसद के विशेष सत्र में महिलाओं को 33 फीसद आरक्षण दिए जाने के लिए संशोधन विधेयक आना है। लेकिन, इसे लेकर अब विपक्ष आर-पार के मूड में दिखाई दे रहा है। विरोधी दल इसकी आड़ में सरकार पर मनमर्जी से परिसीमन कराने का आरोप लगा रहे हैं। विरोधी दलों के तेवर से साफ है ये सत्र काफी हंगामेदार रह सकता है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।